



हिन्दी अनुवाद एवं टंकण कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 28.04.22 को सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा भारत के अमृत महोत्सव के अंतर्गत, “हिन्दी अनुवाद एवं टंकण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आरंभ सहायक निदेशक, राजभाषा श्री कैलाश चंद गुप्ता ने अपने उद्बोधन में हिन्दी के कार्यालयीन उपयोगों हेतु राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा तय किए गए लक्ष्यों के बारे में एवं उन्हें पूर्ण करने हेतु हिन्दी भाषा लेखन को प्रौद्योगिकी से जोड़ने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला के प्रमुख संसाधन वक्ता, समूह समन्वयक शोध एवं प्रभारी अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ डॉ. तरुण कान्त (वैज्ञानिक-एफ) ने अपने व्याख्यान में हिन्दी अनुवाद एवं टंकण को सटीक एवं तीव्र गति से करने हेतु कई तरीकों का वर्णन एवं प्रदर्शन किया। उन्होंने एमएस वर्ड एवं इसके अन्य विकल्पों जैसे जोहो, लिबर ऑफिस, ऑनली ऑफिस आदि के हिन्दी टाइपिंग (कृति देव आदि हिन्दी फॉन्ट) का ज्ञान ना होने पर भी यूनिकोड/ आईएसओ फ्रॉन्ट्स (जैसे कोकिला, अपराजिता, मंगल आदि) के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी एवं प्रदर्शन (डेमो) भी दिया। उन्होंने बताया की एमएस वर्ड आदि में यूनिकोड फ्रॉन्ट्स में टंकण करने हेतु यह

आवश्यक है कि पहले अपने कंप्यूटर की भाषा एवं कीबोर्ड सेटिंग में हिन्दी भाषा का पैक सक्रीय किया जाए एवं हिन्दी फोनेटिक कीबोर्ड का चयन किया जाए । साथ ही अनुवाद के लिए गूगल डॉक्स, एमएस वर्ड में अंतर्निहित (इनबिल्ट) अनुवाद की सुविधा एवं किसी भी तस्वीर/बोर्ड/अखबार आदि में छपे शब्दों को एक भाषा से दूसरी भाषा में आसानी से अनुवाद करने हेतु गूगल लेंस को उपयोग करने की विधि भी समझाई । डॉ. कान्त ने व्याख्यान के अंत में प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी किया ।

कार्यशाला के अंत में कनिष्ठ अनुवादक, श्री अजय वशिष्ठ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ तकनीशियन, श्रीमती मीता सिंह तोमर द्वारा किया गया एवं कार्यशाला की व्यवस्था तकनीकी अधिकारी श्री प्रताप राम द्वारा किया गया । कार्यशाला में तकनीकी सहयोग वरिष्ठ तकनीशियन, श्री राजेश मीणा एवं नेटवर्क इंजीनियर, श्री निखिल सोलंकी द्वारा दिया गया ।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां आगे प्रस्तुत हैं ।



The poster is for a workshop titled 'हिंदी अनुवाद एवं टंकण प्रशिक्षण कार्यशाला' (Hindi Translation and Typing Training Workshop). It is part of the '75th Anniversary of India's Independence' (आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत) celebrations. The workshop is organized by the 'Shukla Van Anusandhan Sansthan, Jodhpur' (शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर) under the 'Department of Horticulture' (सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग). The date is '28.04.2022' and the time is '3:00 PM to 5:30 PM'. The poster features the Indian national flag, the 75th anniversary logo, and the logo of the Shukla Van Anusandhan Sansthan. The text is in Hindi and English.

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत
75
आजादी का
अमृत महोत्सव

हिंदी अनुवाद एवं टंकण प्रशिक्षण कार्यशाला

आयोजन स्थल – कॉन्फ्रेंस हॉल, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
दिनांक – 28.04.2022 समय – दोपहर 3:00 से सांय 5:30 तक

सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद



सहायक निदेशक, राजभाषा श्री कैलाश चंद गुप्ता का उद्बोधन





समूह समन्वयक शोध एवं प्रभारी अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

डॉ. तरुण कान्त का व्याख्यान







कनिष्ठ अनुवादक श्री अजय वशिष्ठ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन